Memorandum of understanding (2005-2006) between the Government of India (Ministry of Social Justice and Empowerment) and the National Backward Classes Finance and Development Corporation (NBCFDC)

THE MINISTER OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MEIRA KUMAR): Sir, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of Social Justice and Empowerment) and the National Backward Classes Finance and Development Corporation (NBCFDC) for the year 2005-2006

[Placed in Library, *See* No. L.T 2073/05]

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Demand for a discussion of the sale of Centaur Hotel, Mumbai

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Sir, I want to raise an issue. . (*Interruptions*). Sir, I sought your permission for (*Interruptions*). .

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): माननीय सभापति जी, सुबह मैंने आपको एक नोटिस दिया था, उस नोटिस में मैंने कहा था कि चुनाव आयोग के संबंध में इस समय समाचार पत्रों में भी और टेलीविज़न चैनलों में भी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: देखिए, जो आपने लिख कर दिया है, मैंने देख लिया है ...**(व्यवधान)**... ठीक है, खबरें आ रही हैं, मैं आपको एलाउ नहीं कर रहा हूं ...**(व्यवधान)**... नहीं, आपको मैंने कह दिया है कि मैं इसे एलाउ नहीं करूंगा ...**(व्यवधान)**... वह सब कुछ ठीक है, मैंने बताया है कि वह आरोप लगा नहीं है ...**(व्यवधान)**... इस तरह की बातें ...**(व्यवधान)**... नहीं, कोई सब्स्टेंटिव मोशन, ...**(व्यवधान)**... आप पहले मेरी बात सुन लीजिए, ...**(व्यवधान)**... यदि आप कोई सब्स्टेंटिव मोशन लाए हों, तभी मैं इस पर अनुमति देने का विचार कर सकता हूं। जो प्रश्न आप उठा रहे हैं, मैं एलाउ नहीं कर रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...

प्रो॰ राम देव भंडारी:*

श्री सुभाष प्रसाद यादव: (बिहार)*

श्री मंगनी लाल मंडल: (बिहार)*

श्री मोतिउर रहमान: (बिहार)*

श्री सभापति: बस हो गया, यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। ...**(व्यवधान)**... यह रिकॉर्ड पर

*Not recorded.

नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)... यह कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है, मैंने इसे एलाउ नहीं किया है ...(**व्यवधान**)... अगर आपको चर्चा करनी है तो सब्स्टेंटिव मोशन ले आइए, मैं चर्चा करवा दूंगा, लेकिन इस प्रकार चर्चा नहीं हो सकती। Now, we will take up the Short Duration Discussion.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I had raised the issue of ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए और उन्हें बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... मैं आपको एलाउ नहीं कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)... आप ऐसा नहीं कर सकते ...(**व्यवधान**)... यह कांस्टिट्यूशनल एथॉरिटी है ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, मेरा निवेदन है कि कांस्टिट्यूशनल एथॉरिटी है और कांस्टिट्यूशनल एथॉरिटी के मामले में यदि आप कोई प्रश्न उठाएं तो प्रश्न उठाने के लिए ...(**व्यवधान**)... पहले आप मेरी बात सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... प्रश्न उठाने के लिए कोई व्यवस्था है, मैं आपको ऐसे एलाउ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... आप रूल्स के अंतर्गत आइए, पहले मैं गवर्नमेंट से जानकारी लूंगा फिर आपको उत्तर दूंगा। ...(**व्यवधान**)... मैं एलाउ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... मैं एलाउ नहीं करूंगा, यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)... यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)... देखिए आप ऐसे महत्वपूर्ण मामले पर ...(**व्यवधान**)... नहीं, कोई साज़िश का सवाल ही नहीं है ...(**व्यवधान**)... मैंने आपको पहले ही बताया है कि आप कुछ भी बोलना चाहें, वह रूल्स के अंतर्गत बोलें। आपके लिए रूल्स हैं और उनमें आप किसी भी ऐसे मामले को रूल्स के अंतर्गत उठा सकते हैं, लेकिन आपने यूं ही उठा दिया इसलिए मैं एलाउ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... यह ठीक परम्परा नहीं है ...(**व्यवधान**)... कोई दबाव नहीं है ...(**व्यवधान**)... यह रिकॉर्ड नहीं होगा, कुछ रिकॉर्ड नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: *

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. (*Interruptions*)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... बैठ जाइए। यहां पर कोई कागज दिखलाने की जरूरत नहीं है। ...(**व्यवधान**)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... कोई रिकार्ड पर नहीं आएगा। रिकार्ड पर आने के लिए रूल के हिसाब से आइए। ...(**व्यवधान**)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... कोई रिकार्ड पर नहीं आएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुभाष प्रसाद यादव: *

श्री मंगनी लाल मंडल: *

श्री शाहिद सिद्दिकी: *

श्री मोतिउर रहमान: *

*Not recorded.

श्री सभापति: कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है। ...**(व्यवधान)**... मैं आपको कहता हूं कि यह रूल की किताब पढ़ लीजिए, रूल के अन्तर्गत मोशन दें तो मैं एलाऊ करूंगा वरना मैं एलाऊ नहीं करूंगा। ...**(व्यवधान)**... कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है। .....बैठ जाइए, अब बहुत हो गया है। .. (व्यवधान)... बैठिए-बैठिए। ...**(व्यवधान)**... कृपया बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... रूल को देखिए, रूल के अन्तर्गत मोशन आएगा। ...**(व्यवधान)**... भंडारी जी, अब आप बैठिए। ...(व्यवधान)... मैं आपको बतला दूं कि बहुत अच्छा बिजनेस है, सुनामी पीड़ितों पर डिसकसन होने वाला है, कुछ समय दीजिए, माननीय सदस्य तैयार बैठे हैं। ...**(व्यवधान)**... बैठिए-बैठिए ...(व्यवधान)... सदन में अपनी बात रखने के लिए कुछ नियम बने हुए हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: बहुत महत्वपूर्ण बात है। आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... मैंने कह दिया है कि मैं आपको अलाऊ नहीं करूंगा। ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। आप बैठ जाइए। हो गया, हो गया। ...**(व्यवधान)**... सरकार मेरे हाथ में नहीं है। सरकार क्या जवाब देगी? आप नियमों के अनुसार मोशन देते, तो सरकार भी जवाब देती। नेक्स्ट। ...**(व्यवधान)**... श्रीमती सरला माहेश्वरी। ...**(व्यवधान)**... श्री दीपांकर मुखर्जी। ...**(व्यवधान)**... सरकार क्या बोलेगी? ...**(व्यवधान)**... मैं आपकी बात को एडमिट करूंगा, तभी सरकार जवाब देगी। आप नियमों के विरुद्ध मत बोलिए। मैंने आपको रूल बता दिया है। ...**(व्यवधान)**... मैं आपको अलाऊ नहीं कर रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... भंडारी जी, यह अच्छी बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**... ज्यादा अच्छा रहेगा कि आप सब बैठ जाएं। ...**(व्यवधान)**... मैं भी आपसे नम्र निवेदन करता हूं। ...**(व्यवधान)**... आप मेरे से हमेशा आशा करिए। मैं नियमों से बंधा हुआ हूं। मैं नियमों से बाहर नहीं जा सकता हूं। आप बैठ जाइये। ...**(व्यवधान)**... देखिए, बहुत इम्पोर्टेंट इश्यु है, जिस पर डिसकसन होना है। ...**(व्यवधान)**... यह लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था है। मैं आपको अनुमति नहीं दे रहा हूं और आप मेरी अनुमति के बिना बोलते जा रहे हैं। यह कौन-सा लोकतंत्र है? मैं आपको अलाऊ नहीं कर रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... आप बताइए, आपको दिक्कत क्या है? आप नियम के अनुसार मोशन लाइए और उस पर चर्चा होगी। ...**(व्यवधान)**... श्री दीपांकर मुखर्जी। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... आप भी सरकार से बात कर सकते हैं, आपकी सरकार है। आप बात कर सकते हैं। ...**(व्यवधान)**... मेरी सुनिए, एक मिनट सुन लीजिए। ...**(व्यवधान)**... मैं आपसे कह रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... आप एक काम करिए। आप रूल्स के हिसाब से ...**(व्यवधान)**... मेरे माध्यम से तो आप सरकार में गए नहीं, अब सरकार से बातचीत मेरे माध्यम से कर रहे हैं, यह कौन सी अनोखी बात है? ...**(व्यवधान)**... मैंने कब अनुमति दी थी कि आप सरकार में चलें जाएं? ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): सर, आप सोचकर देखिए, क्योंकि आप इनके नोटिस को ध्यान में नहीं ला पाए और अनुमति नहीं दी, क्या यह हो सकता है कि ये डिसकशन के

लिए कोई नोटिस दें और उसके ऊपर बाकायदा चर्चा हो, क्योंकि यह विषय गंभीर विषय है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैंने कब कहा? रूल्स के हिसाब से नोटिस दें। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, सरकार से ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सरकार से मैं बात नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... मैं शुरू से ही यह बात कह रहा हूं। श्री दीपांकर मुखर्जी।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I had given a notice on 5th, not today only, for discussion on Centaur Juhu Beach Hotel, which you did not allow on 6th

श्री सभापति: माननीय सदस्य, इससे पहले कि आप बोलना चाहें, एक मिनट मैं अपील कर लूं। देखिए, इस हाउस के लिए मैं नया हूं लेकिन मैंने अब तक की परम्पराएं देखी हैं। कोई भी मामला, जो अकाउंट्स से संबंधित हो, जिसमें अपव्ययिता हो या मिसयूज़ ऑफ फंड्स किया गया हो, ऐसे मामले अकाउंटेंट जनरल के पास जाते हैं। अकाउंटेंट जनरल अपनी रिपोर्ट देते हैं। आपके हाउस की सारी प्रोसीडिंग्स, आज तक की, मैंने देखी हैं। उन प्रोसीडिंग्स के हिसाब से अकाउंटेंट जनरल की रिपोर्ट पब्लिक अकाउंट्स कमेटी में जाती है। पब्लिक अकाउंट्स कमेटी में सब पार्टियों के मैंबर्स होते हैं, सबके सामने ऐक्ज़ामिनेशन होता है। ऐक्ज़ामिनेशन के बाद पब्लिक अकाउंट्स कमेटी रिपोर्ट देती है। उस रिपोर्ट के ऊपर हाउस को डिसकस करने का अधिकार है। उस रिपोर्ट में यदि कोई कमियां हैं, तो उस समय हाउस में कोई भी माननीय सदस्य उन कमियों की ओर सदन का ध्यान आकर्षित कर सकता है। गवर्नमेंट उसके ऊपर जवाब देगी। ऐसी स्थिति में एक नयी परम्परा शुरू होगी, ऐसा मैं समझता हूं।

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, यह कोई नयी परम्परा नहीं है। इसीलिए I want to raise the question before you. Sir, it is no longer a question of proceduring for another four or five years. It is a question of public property. I gave a notice for discussion on Centaur Juhu Beach Hotel. In the CAG Report, these transactions relating to both the hotels—Centaur Airport as well as Centaur Juhu Beach—have been given a mention. On behalf of people, I am going to ask as to how long people will wait to know why the public property has been sold at Rs. 83 crores which was then resold at Rs. 113 crores in six months. Another property of Rs 153 crores was resold at Rs. 400 crores. The whole thing was under-valued. This House had discussed this on 4th December, 2002. Then, on the Centaur Airport Hotel, there was a Standing Committee report of both the Houses which had asked for a CVC enquiry. The then Government did not agree for that enquiry. This was in March 2003. Again, in March-April 2004, another CAG Report had come telling the same thing about the mal-transaction and fraudulent transactions

regarding Centaur Airport Hotel. That is also over. Today, when this Report specifically points out, should you wait for another two years? By the time the seller resells and everything is over. The Minister had already gone. Now, who is going to catch hold of this? Now, it is absolutely an FIR case. The CAG says, "various relaxations allowed to the bidder and interventions by the Ministry to facilitate the sale, indicated inadequate efforts to mitigate the risk of transaction in limited competition scenario." Now, is it left to only discussion and discussion, in this Committee and that Committee? By the time the whole money is gone. We had demanded, Sir, on 18th August, 2004 in front of you, a CBI inquiry into this matter. That time, the Finance Minister had told that you again wait for CAG Report. For how many CAG reports, how many Standing Committee reports the people have to wait till a CBI inquiry into this fraudulent transaction of both these hotels comes to the fore? The people's demand is that right now, the Government must order a CBI inquiry into the sale of these three hotels. It cannot wait further.

MR. CHAIRMAN: What is the reaction of the Government?

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: We are not prepared for a PAC and PAC after that. The Standing Committee had given a report ...*(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: Let the Government speak.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: What holds the Government from ordering an inquiry? What is the problem?

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): The Finance Minister had given an assurance on the floor of this House that the CAG Report....*(Interruptions)*. He said that he would order an inquiry...*(Interruptions)*. What is the response of the hon. Finance Minister...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: वह ठीक है..(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, please, don't go for a PAC...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please take your seat...(*Interruptions*). एक मिनट रुकिए। ...(*Interruptions*). Let me...(*Interruptions*)...

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): मैं भी एक मिनट बोल लूं। उसके बाद आप जवाब दे दीजिए।

श्री सभापति: मैं जवाब नहीं दूंगा।

श्री नीलोत्पल बसु: आपने जो प्रोसीजर बताया है, वह अपनी जगह पर दुरुस्त है लेकिन यहां पर फाइनेंस मिनिस्टर का एक ऐश्यारेंस था कि हां, एक प्राइमाफेसी केस है, बावजूद इसके हम सीएजी रिपोर्ट के लिए इंतजार करेंगे। आज जब सीएजी रिपोर्ट आ पहुंची है और हमारी तमाम जो शिकायतें थीं, उसको सिद्ध कर दिया।

श्री दीपांकर मुखर्जी: कमेटी की शिकायतें थीं।

श्री नीलोत्पल बसु: कमेटी की और हमारी भी। इसके अलावा भी जो चर्चा हुई है – सब कुछ सिद्ध कर दिया है। हम सरकार से जानना चाहेंगे कि कब आप सीबीआई इन्क्वायरी कर रहे हैं?

श्री सभापति: ठीक है। आप बताइए। ...(**व्यवधान**)... पहले सरकार बोल ले।... (**व्यवधान**)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): माननीय सभापति महोदय, यह सही है कि इस प्रकरण में माननीय वित्त मंत्री जी ने कंप्ट्रोलर एवं ऑडीटर जनरल की रिपोर्ट का जिक्र इस सदन में किया था। कंप्ट्रोलर एवं ऑडीटर जनरल की रिपोर्ट सदन के पटल पर प्रस्तुत की जा चुकी है और जिन बिन्दुओं का जिक्र किया है, वे सर्वविदित हैं। जहां तक माननीय सदस्यों ने आगे की कार्यवाही संबंधित प्रश्न उठाए हैं, मैं केवल इतना ही अनुरोध करना चाहूंगा कि उनकी जो उत्तेजित भावना है, उसको मैं माननीय वित्त मंत्री जी...

श्री जीवन राय (पश्चिमी बंगाल): यह भावना का सवाल नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आपको एफआईआर करनी है।

श्री सभापति: उत्तेजित नहीं हों। आप बैठ जाएं। Let him speak.

श्री सुरेश पचौरी: आप पूरा तो कर लेने दीजिए।

श्री सभापति: आपके उत्तेजना शब्द से वे उत्तेजित हो गए हैं, उसमें मेरी क्या गलती है?

श्री सुरेश पचौरी: प्रश्न केवल भावना का नहीं है मान्यवर, सारे मैंबर्स कंसर्न्ड हैं इसलिए मैंने उस शब्द का प्रयोग किया है। माननीय सदस्यों की जो भावना है, उससे मैं माननीय वित्त मंत्री जी को अवगत करा दूंगा और वही इस मामले में आगे की...

SHRI JIBON ROY: We want to know about the fraudulent transaction that had taken place. Has the Government taken any step in this matter, lodged an FIR or ordered a CBI inquiry?

श्री सभापति: इन्होंने बता दिया ...(**व्यवधान**)...

SHRI JIBON ROY: What is the process? अभी भी भावना...(**व्यवधान**)... चेयरमैन सर, यह भावना का सवाल नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मेरी सुनिए। Please take your seat. अभी श्री नीलोत्पल बसु ने यह कहा कि इसकी जानकारी सबको है, गवर्नमेंट फाइनेंस मिनिस्टर से बात करेगी और जो भी आश्वासन है, वे दे देंगे। ...(**व्यवधान**)... ये आज के दिन कैसे बोल सकते हैं?

श्री दीपांकर मुखर्जी: इनको हम नहीं बोल रहे हैं सर। परसों से पूरे हिन्दुस्तान में यह प्रक्रिया चालू है। सर, मेरी यह समस्या है। ...(**व्यवधान**)... मैं आपको सच-सच बता दूं। I must share this information with the whole House. On the 6th May, when this Report was out, I had gone to a TV channel. It was on the channel. You must have seen that. I was on the channel and on the other side of the channel, the then Disinvestment Minister used such words for CAG which are intimidatory. I am afraid, some pressures were being imposed. It is not a question of one sentence. The words like, 'impractical' were used. This is not befitting of a Constitutional Office...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Leave aside that case. The Member is not here.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Pressures are being imposed. Pressures and intimidating tactics are being applied by the then former Ministers of NDA Government on different...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You cannot charge anybody...(*Interruptions*).

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I am afraid that the evidences might be tampered with...(*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Please don't charge any Member who...(*Interruptions*).

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, either the Finance Minister can come here tomorrow...(*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: He is not here...(*Interruptions*).

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Otherwise, I will have to bring a Calling Attention motion in the House...(*Interruptions*)...Sir, unless the Finance Minister...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Sir, let the Minister finish his Speech ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: I will have to bring a motion ...*(Interruptions)*... It is for the Parliament decide ...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY: Mr. Chairman, Sir, what I want to say is...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: इनको बोलने दीजिए, आपकी पार्टी से ही बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)... नहीं, ये बातें नहीं होंगी। आप उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, the way the words are used by the former Minister is 'intimidating' ... (*Interruptions*)... Sir, the evidence might be tampered with.

SHRI JIBON ROY: Sir, no action will be taken against criminal activity because they are great persons ... (*Interruptions*)...

श्री सभापति: किसने कहा? यह तो गवर्नमेंट का सवाल है। ...(व्यवधान)... मैं वही तो कह रहा हूं। ...(व्यवधान)... एक मिनट.. मैं बता रहा हूं आपको। ...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I am giving a friendly warning to the Government ... (*Interruptions*)... Sir, in a friendly way, I am warning the Government that the evidences are being tampered with by the former Ministers of the NDA Government ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Dipankar, please take your seat.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I want to warn the Government that they must take action immediately. They cannot wait ...(*Interruptions*)... They are very powerful people.

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, अब आप स्पष्ट बता दें कि सी.ए.जी. की रिपोर्ट आने के बाद आप क्या करने वाले हैं, आप हाऊस को बता दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोज भट्टाचार्य (पश्चिमी बंगाल): क्यों नहीं किया अभी तक?

श्री सभापति: अब क्यों नहीं किया, आप बैठ जाइए।

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट के परिप्रेक्ष्य में जो बिंदु प्रकाश में लाए गए हैं और जिन कथित अनियमितताओं का जिक्र किया गया है, उसमें विधिवत कार्यवाही तो दरअसल वित्त विभाग करेगा। इसका संबंध न तो गृह विभाग से है और न अन्य किसी विभाग से है। इस मामले में मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सम्मानित सदस्यों से यही अनुरोध कर रहा था कि कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट आने के बाद अब further इस दिशा में वित्त विभाग के द्वारा क्या कार्यवाही की जा सकती है और सदन के माननीय सदस्यों की इस

दिशा में क्या भावना है, उससे मैं उनको अवगत करा दूंगा और उनसे मैं यह भी अनुरोध करूंगा कि इस दिशा में नियमानुसार क्या समुचित कार्यवाही की जाए, यह वे सुनिश्चित करें।

श्री नीलोत्पल बसु: मंत्री जी, सिर्फ यह बता दीजिए कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बहुत हो गया मिस्टर बसु।

श्री नीलोत्पल बसु: सर, क्या मंत्री जी इस विषय पर बयान देंगे, concretely translating the assurance he has given to us earlier.

MR. CHAIRMAN: That is enough. आप बैठिए ...बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, आप तो निर्देश दे सकते हैं सरकार को?

श्री सभापति: सदस्य ही नहीं हैं तो सरकार क्या निर्देश मानेगी मेरा?

श्री नीलोत्पल बसु: सर, वह तो अलग बात है, लेकिन आप तो निर्देश दे ही सकते हैं सरकार को?

श्री सभापति: वह ठीक है। Now the matter ends. Shrimati Sarla Maheshwari.

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, सैशन निकल जाएगा, फिर कब देंगे?

श्री सभापति: वह दे दिया है, सैशन नहीं निकलेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, ये लोग बहुत पावरफुल हैं, पता नहीं क्या-क्या, कहां-कहां फोन जा रहा है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: कौन पावरफुल है? ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: मेरे सामने है, मैं तो चैनल में था। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप छोड़िए उन चीजों को। देखिए, माननीय सदस्य, आप उन बातों को मत लाइए, जो यहां पर डिफेंड नहीं कर सकते। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: उनको बताना चाहिए कि क्या action लेना है सरकार को? इस पर तो विचार करना चाहिए?

श्री सभापति: आप छोड़िए उन बातों को। Please take your seat ... (*Interruptions*)... Now, Shrimati Sarla Maheshwari.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, the Finance Minister must come and give a statement ... (*Interruptions*)...

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश): सभापति महोदय ....

MR. CHAIRMAN: Shrimati Sarla Maheshwari. No. I am not going to allow anybody on this subject. Shrimati Sarla Maheshwari.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): धन्यवाद सभापति महोदय। ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश): सभापति जी....

श्री सभापति: वह नहीं जाएगा रिकॉर्ड पर, मैं आपको बता रहा हूं। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... श्रीमती सरला माहेश्वरी ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी: सर, मैंने नोटिस दिया हैं।

श्री सभापति: यह जरूरी नहीं है कि मैं नोटिस पर आपको allow करूं। ...(व्यवधान)... मैं allow नहीं कर रहा हूं और न रिकॉर्ड पर जाएगा। श्रीमती सरला माहेश्वरी बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री जीवन राय: सर, इस रिपोर्ट को ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, ये दोनों आपके सीनियर बोल चुके हैं। बोलिए सरला जी ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी: सर...

श्री सभापति: मैं allow नहीं कर रहा हूं।

श्री राशिद अल्वी: सर, मुझे इजाजत तो दीजिए।

श्री सभापति: आप सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य हैं, कम से कम आप तो मेरा ध्यान रखिए। ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी: सर, मैंने आपको नोटिस दिया है।

श्री सभापति: वह ठीक है, लेकिन मैं allow नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, I have also given a notice. Sir, both of us have given notices. Sir, in the entire 'India Shining' campaign, the Government money had been spent ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: अभी अल्वी साहब के मामले में जो कहा, वह आपके ऊपर भी लागू होता है यह मैं बता दूं। आप बैठ जाइए। देखिए, सरला जी, अगर आप अब नहीं बोलीं तो मैं... बोलिए, बोलिए। ...(व्यवधान)...

श्री वी॰ नारायणसामी: सर, एक मिनट इजाज़त तो दीजिए बोलने की।

श्री सभापति: मैं इजाज़त अभी नहीं दूंगा ।

श्री वी॰ नारायणसामी: कल दे दीजिएगा।

श्री सभापति: आप कल आइए मेरे पास।

Birthday of Guru Rabindernath Tagore which falls on 9th May and the significance of the day in the context of democracy.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): सभापति जी, आज का दिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। आज का दिन कविगुरू रवीन्द्रनाथ का जन्मदिन है। उनकी जयंती का सभी पालन कर रहे हैं और उसके साथ ही आज का दिन एक और महत्ता रखता है। आज का दिन फासीवाद पर सोवियत सेना की विजय का दिन है और महोदय, सारी दुनिया में ...(व्यवधान)..

श्री सभापति: आपने पांच मिनट मांगे हैं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: यह दिवस मानवता मना रही है और फासीवाद के खिलाफ इस लड़ाई में कविगुरू रवींद्रनाथ की क्या भूमिका थी, उसे हम कभी भूल नहीं सकते हैं। कविगुरू रवींद्रनाथ ने अपनी प्रसिद्ध कविता के जरिए इन फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ने के लिए मानवता का आह्वान किया था। बर्टेंड रसैल, रोमा रोलां, आइंसटाइन जैसे दुनिया के महान मनीषियों ने फासीवाद के खिलाफ मानवता को बचाने के लिए इस लड़ाई का आह्वान किया था। महोदय, इस लड़ाई में अकेले सोवियत सेना के और सोवियत संघ के दो

(श्री उपसभापति पीठासीन हुए)

करोड़ से अधिक लोग मारे गए थे और फासीवाद के खिलाफ सोवियत सेना की यह लड़ाई दुनिया के सैनिक इतिहास में अविस्मरणीय स्थान रखती है। महोदय, मैं आपको यह भी बताना चाहूंगी कि इस लड़ाई में अकेले सोवियत सेना और सोवियत जनता के 2 करोड़ 70 लाख लोग मारे गए थे, 1710 शहर पूरी तरह से अथवा आंशिक रूप से ध्वस्त हो गए थे और 17 हजार से ज्यादा गांव पूरी तरह से उजड़ चुके थे। लेनिनग्राद और मास्को की घेरेबंदी और स्तालिनग्राद में लाल सेना के जबर्दस्त प्रतिरोध की कहानी सारी दुनिया के सैन्य इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। उस समय कुर्स्क के मैदान में हुआ टैंक युद्ध आज तक का सबसे बड़ा टैंक युद्ध माना जाता है। महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगी कि उस समय सोवियत सेना के जो सेना नायक थे, मार्शल जुकोव, रोकासोवस्की, सोकास्लोवस्की, कोनोलोव और सर्वोपरि सोवियत सेना के कमांडर इन चीफ जोसेफ स्तालिन के नाम हर घर तक पहुंच गए थे। महोदय, लाल सेना ने तो सिर्फ सोवियत संघ को विश्व मानवता की दुश्मन शक्ति से बचाने का काम ही नहीं किया था, बल्कि उसने सारी दुनिया की रक्षा भी की थी और दुनिया के सभी उत्पीड़ित जनों की मुक्ति के पथ को प्रशस्त किया था। बर्लिन पहुंच कर लाल सेना ने कुख्यात आशविज यातना शिविर को मुक्त किया था, जो इस धरती पर एक साक्षात नर्क था। यह शिविर नाजियों की चरम बर्बरता का प्रतीक था। महोदय, उस समय सोवियत